

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 28 May 2020

University of Lucknow (UoL) and Uttar Pradesh Disaster Management Authority (UP SDMA) have signed a historic agreement on 28th day of May 2020, to actualize the Honourable Prime Minister's Ten Point Agenda on Disaster Risk Management. Prof Alok Kumar Rai Vice Chancellor, University of Lucknow, and Lt General RP Sahi, Honourable Vice Chairman UP SDMA said while signing this agreement that this association is a mile stone for actualisation of the Prime Minister's Ten Point Agenda (TPA) on Disaster Risk Management (DRM) including Covid-19. The main purpose of this agreement is to develop and integrate Disaster Management issues into the curriculum and activities of Universities and associated colleges. There is also a need for sensitizing, updating and guiding the educators, researchers, students and all those engaged in inclusive development, knowledge and capacity building on the issues of sustainability and help to develop their disaster resilience. PM's 10 point Agenda: PM's Ten Point Agenda envisages following salient features including Pandemics like Covid 19 etc. to be taken up by all Departments of the State and District Level as applicable:

1. All development sectors must imbibe the principles of disaster risk management.
2. Work towards risk coverage for all-starting from poor households to SMEs to multi-national corporations to nation-states.
3. Encourage greater involvement and leadership of women in disaster risk management.
4. Invest in risk mapping globally. For mapping risks related to hazards like earthquakes, we have accepted standards and parameters.
5. Leverage technology to enhance the efficiency of our disaster risk management efforts.
6. Develop a network of universities to work on disaster issues.
7. Utilise the opportunities provided by social media and mobile technologies.
8. Build on local capacity and initiative.
9. Opportunity to learn from a disaster must not be wasted. After every disaster, there are papers on lessons that are rarely applied.
10. Bring about greater cohesion in the international response to disasters. A network of the Universities can play a key role in factoring in disaster management in implementation of the plans for achieving Sustainable Development Goals for overseeing, monitoring, and analysing the indicators of Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR) in



लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

accordance with National Disaster Management Plan 2019 and to suggest mid-course correction if required. Also, sustainable development needs to be disaster resilient and be adaptive to climate change impacts. Prof Sheela Misra, Professor at Dept of Statistics was appointed as nodal officer on behalf of University of Lucknow to coordinate the activities under the purview of this MOU. UPSDMA designated Dr Bhanu, Convenor Inter Agency Group and Secretary PGVS as nodal officer on behalf of UPSDMA to coordinate the activities. The expected outcome of this MOU shall be in networking with other Universities and educational institutions to make them understand and practice on Prime Minister's Ten Point Agenda on Disaster Risk Management bringing forth mutually agreed relevant documents through analysis of Primary and Secondary Data, conducting relevant studies and building the capacity of students, faculties and staff in relation to disaster resilience. Both nodal officers are expected to develop a plan of action within a week.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

आज दि० 28.05.2020 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० आलोक कुमार राय और उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष ले० जनरल आर पी साही के बीच एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया जो हस्ताक्षर की तिथि से लागू माना जायेगा। इस समझौते के मुताबिक दोनों संस्थायें इंटर एजेंसी ग्रुप उ०प्र० के सक्रिय सहयोग से विश्वविद्यालयों का नेटवर्क विकसित करेंगे। यह नेटवर्क प्रधान मंत्री के दस सूत्री एजेंडा (टीपीए) के 6वें बिंदु के आधार पर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम और गतिविधियों में आपदा प्रबंधन के मुद्दों को शामिल करेंगे और शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और उन सभी लोगों को संवेदनशील बनाने, और उनका मार्गदर्शन करने का कार्य करेंगे। प्रधान मंत्री के दस सूत्री एजेंडा में निम्नलिखित मुख्य विशेषताएं शामिल हैं, जिसमें कोविड 19 जैसे पांडेमिक आदि शामिल हैं, जो राज्य और जिला स्तर के सभी विभागों द्वारा लागू किए जाएंगे: 1. सभी विकास क्षेत्रों को आपदा जोखिम प्रबंधन के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। 2. गरीब घरों से लेकर एसएमई तक बहु-राष्ट्रीय निगमों से लेकर राष्ट्र-राज्यों तक सभी के लिए जोखिम कवरेज की दिशा में काम करना। 3. आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की अधिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना। 4. विश्व स्तर पर जोखिम मानचित्रण में निवेश करें। भूकंप जैसे खतरों से संबंधित जोखिमों के मानचित्रण के लिए, हमने मानकों और मापदंडों को स्वीकार किया है। 5. हमारे आपदा जोखिम प्रबंधन प्रयासों की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें। 6. आपदा मुद्दों पर काम करने के लिए विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित करना। 7. सोशल मीडिया और मोबाइल प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का उपयोग करें। 8. स्थानीय क्षमता और पहल पर निर्माण। 9. आपदा से सीखने का अवसर व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। हर आपदा के बाद, उससे सीखने वाले सबको पर शोध पत्र होते हैं जो शायद ही कभी लागू होते हैं। 10. आपदाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

प्रतिक्रिया में अधिक सामंजस्य लाना। सस्टेनेबिलिटी के मुद्दों पर समावेशी विकास, ज्ञान और क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक है। यूनिवर्सिटी व शिक्षण संस्थाओं का नेटवर्क आपदा प्रबंधन में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजनाओं के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सैंडई फ्रेमवर्क के संकेतकों की देखरेख, निगरानी और विश्लेषण के लिए आपदा जोखिम प्रबंधन पर मा0 प्रधान मंत्री के दस सूत्री एजेंडा (टीपीए) के अनुसार आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एसएफ डीआरआर) के लिए रूपरेखा और यदि आवश्यक हो तो मध्य-पाठ्यक्रम सुधार - मिड कोर्स करेक्शन - का सुझाव देगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के तरफ से गतिविधियों का समन्वय करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में प्रोफेसर शीला मिश्रा, सांख्यिकी विभाग को नामित किया गया है तथा यूपीएसडीएमए की ओर से डॉ भानु संयोजक इंटर एजेंसी व सचिव पीजीवीएस को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। एक सप्ताह के अंदर दोनो नोडल अधिकारी संयुक्त योजना प्रस्तुत कर कार्य प्रारम्भ कर देंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

University of Lucknow is going to start a Faculty of Yoga and Alternative Medicine to encourage study and research in the well known traditional fields of Yoga and Naturopathy. The Faculty will run self financed courses in two constituent departments and will run undergraduate, post graduate, PG Diploma, integrated five years program and a PhD program. The undergraduate program in Department of Yoga will have 60 seats, and post graduate and diploma courses in Yoga will have 50 and 40 seats respectively. In the Department of Naturopathy, a Bachelors in Naturopathy and Yogic Sciences degree will have 60 seats and rhe PG Diploma course have 40 seats. The current Institute of Human Consciousness and Yoga running in the University will be merged with the new faculty. University of Lucknow is also starting an interdisciplinary research, teaching and training institute named Institute of Advanced Molecular Genetics and Infectious Diseases (IAMGID). The institute will have three major goals of teaching, training and research in the fields of DNA analysis, RNA analysis, understanding molecular biology of infectious diseases and training enrolled students in techniques like real time PCR (Polymerase Chain Reaction), electrophoresis, HPLC (High Performance Liquid Chromatography), mass spectrometry, etc. The Institute will also offer training programs, workshops, seminars, certificate courses etc. in the area of genetics and infectious diseases. IAMGID will also offer awareness campaigns and community outreach activities.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

लखनऊ विश्वविद्यालय योग और प्राकृतिक चिकित्सा के पारंपरिक क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय शुरू करने जा रहा है। संकाय दो घटक विभागों में स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम चलाएगा, और स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एकीकृत पांच साल का कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम चलाएगा। योग विभाग में स्नातक कार्यक्रम में 60 सीटें होंगी, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा में क्रमशः 50 और 40 सीटें होंगी। प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में बी इन वाई एस (बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज) की स्नातक डिग्री में 60 सीटें होंगी और पी जी डिप्लोमा में 40 सीटें। विश्वविद्यालय में वर्तमान चल रहे मानव चेतना और योग संस्थान को नए संकाय के साथ मिला दिया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज (IAMGID) नामक एक अंतःविषयी अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान भी शुरू कर रहा है। संस्थान का आणविक स्तर पर डीएनए विश्लेषण, आरएनए विश्लेषण आदि जैसे विषयों में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के तीन प्रमुख लक्ष्य होंगे, और साथ ही संक्रामक रोगों के आणविक जीव विज्ञान को समझना और उनसे सम्बन्धी तकनीकों जैसे रियल टाइम पीसीआर (पॉलीमरेज चेन रिएक्शन), इलेक्ट्रोफोरोसिस, एचपीएलसी (हाई परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी), मास स्पेक्ट्रोमेट्री, आदि में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना भी इसके लक्ष्यों में सम्मिलित होगा। संस्थान आनुवांशिकी और संक्रामक रोगों के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला, सेमिनार, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आदि भी प्रदान करेगा। IAMGID जागरूकता अभियान और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों की पेशकश भी करेगा।